INDIAN MUSIC

B.A. PART – II EXAMINATION 2017
(10+2+3 PATTERN)
SCHEME OF EXAMINATION
DISTRIBUTION OF MARKS

S. No.	Name of the Subject	No. of Papers	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks
I	Indian Music Vocal & Instrumental	Theory Paper – I	3 Hrs.	40	15
		Theory Paper –II	3 Hrs.	40	15
		Practical Paper – I	25 Min.	40	15
		Practical Paper – II	45 Min.	80	29

INDIAN MUSIC (Vocal and Instrumental) 2017

Scheme	Duration	Max. Marks	Min. Pass Marks	Period Per Week
Theory Paper-I	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Theory Paper-II	3 Hrs.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – I	25 Min.	40	15	3 Hrs.
Practical Paper – II	45 Min.	80	29	6 Hrs.

THEORY PAPER-I

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

UNIT – I

1. Study of the theoretical details of following ragas and their comperative study.

(i) Bihag (ii) Des (iii) Bageshwari (iv) Rageshwari (v) Ahir – Bhairav (vi) Jounpuri (vii) Hamir (viii) Kedar (ix) Malkonsh (x) Bhimpalasi

2. Writing of notations of Songs (Bandish), Gat

UNIT – II

1. Writing of following Talas in notation with Dugun and Chaugun.

(i) Ada- Choutal (ii) Panjabi Treetal (iii) Jhaptal (iv) Roopak (V) Dhamar

2. Definition of the following :

(i) Margi and Deshi Sangeet, (ii) Gandharva and Geeti gan (iii) Avartan and Vibhag (iv) Sah – Shabd and Nih- Shabad Kriya.

UNIT – III

1. Definition and marits and demerits of Gayak, Vadak and Vaggayakar.

2. Detailed study of Gram – Moorchhana.

UNIT – IV

1. General Knowledge of "Ravindra Sangeet".

2. Knowledge of popular Music composition of Karnatika Music.

(i) Varnam (ii) Kriti (iii) Jawali (iv) Padam (v) Tillana.

UNIT – V

1. Brief Knowledge of following folk dances: Kalbelia, Ghoomar, Bhawai, Garba, Dandia, Bhangra, Gidda,Lawani, Bihu, Baul.

2. Detail Study of "Staff Notation System.".

THEORY PAPER-II

Note : Theory paper will contain 10 questions having two questions from each unit. The candidates are required to attempt 5 questions in all, selecting one question from each unit.

Unit – I

1. Introduction and Contribution of the following Granths and Granthkaras.

(i) Bharat – Natya Shastara

(ii) Sharangdav – Sangeet Ratnakar.

(iii) Matang – Brihadeshi

(iv) Ahobal – Sangeet- Parijat.

2. Classification of instruments.

Tatvadya, Sushirvadya, Ghanvadya, Avnadhvadya

Unit – II

1. General Knowledge of Rag- Lakshan, Swasthan- niyam , Avirbhav- Tirobhav, Alpatv-Bahutva, Ragalap- Roopkalap.

2. Description of Indian Taal Saystem with Ten Pranas.

Unit- III

1. Place of Music in fine arts.

2. Life scetches of following musicians: Lalmani Mishra, Pt. Bhatkhande, Acharya Brihaspati, Ali Akbar Khan, Alla – Rakha- Khan.

Unit- IV

1. Origin and development of Natation system (In the context of Indian Music)

2. Detail study of Vrinda- Gan and Vadya- Vrinda in Indian Music.

Unit V

1. Stage performance in Indian Music.
2. Impact of folk music on Classical Music.
3. Religion and Music.
4. Role of Music in National integration.

PRACTICAL PAPER – I

1. Study of the following Rages :-
   (1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi
   (5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav
   (10) Jounpuri. 20
   (a) Intensive Study of any one Raga as choice Ragas covering Vilambit and Drutkhayals / Gats in any of above Ragas. 5
   (b) Laxana geets, Sargam Geets in all above mentioned Ragas. 5
2. Five Alankaras in the notes of That Bhairav, Marva and Kafi.
3. Study of the following Talas :- 5
   (1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak (5) Jhaptal 5
4. Ability to sing/play any written notation on the black board.

PRACTICAL PAPER – II

1. Study of the following Rages :-
   (1) Bihag (2) Desh (3) Bageshree (4) Bhimpalasi
   (5) Malkouns (6) Rageshree (7) Hameer (8) Kedar (9) Ahirbhairav
   (10) Jounpuri
   (a). Three Vikambit Khayals / Maseet khani Gats in any of the above mentioned Ragas. 30
   (b) Madhyalaya Khayals /Rajakhani Gats with Aalap, Tana/ Toras in any four Ragas. (not covered in clause -a) 15
2. Study of one Dhrupad or Dhamar with Dwigun, Tigun and Chougun / Study of one Madhyalaya gats in Talas other then trital. (for instrumental music) 15 10
3. Study of Trivat/ Tarana/ Bhajan/ Gazal/ Folk song/ patriotic song (one from each.)/ Dhun (for Instrumental Music) 10
4. Ability to Demonstrate (Orally by giving Tali and Khali on hand) in following Talas.
   (1) Adachoutal (2) Dhamar (3) Punjabi Trital (4) Roopak (5) Jhaptal

शैक्षिणक सत्र 2017

भारतीय संगीत (कंठ और वाद्य)

योजना	अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	कालांश प्रति सप्ताह
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम	3 घंटे	40	15	3 घंटे
सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय	3 घंटे	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम	25 मिनिट	40	15	3 घंटे
प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय	45 मिनिट	80	29	6 घंटे

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र प्रथम

नोट – इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

ईकाई – 1

1.निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय एवं तुलनात्मक अध्ययन –

1. बिहाग 2. देस 3. बागेष्वरी 4. रागेष्वरी 5. अहीर भैरव 6. जौनपुरी 7. हमीर 8. केदार 9. मालकौंस

2. पाठ्यक्रम की बंदिषो/गतों को स्वरलिपि सहित लिखना।

ईकाई –2

1. निम्नलिखित तालों का ठेका, दुगुन एवं चौगुन सहित लिखना –

1. आड़ा चौताल 2. पंजाबी त्रिताल 3. झपताल 4. रूपक 5. धमार ।

2. निम्नलिखित की परिभाषाएँ –

1. मार्गी एवं देषी संगीत 2. गंधर्व एवं गीतिगान 3. आवर्तन एवं विभाग 4. सः शब्द एवं निः शब्द क्रिया

ईकाई – 3

1. गायक, वादक एवं वाग्गेयकार की परिभाषा तथा गुण–दोष।
2. ग्राम – मूर्च्छना की विस्तृत जानकारी

इकाई –4

1. रवीन्द्र संगीत की सामान्य जानकारी।
2. कर्नाटक संगीत में प्रचलित गायनषैलियों की जानकारी वर्णम, कृति, जावलि, पदम्, तिल्लाना।

ईकाई –5

1. निम्नलिखित लोकनृत्यों की संक्षिप्त जानकारी – कालबेलिया, घूमर, भवाई, गरबा, डांडिया, भंगड़ा, गिद्दा, लावणी, बिहू, बाऊल।
2. पाष्चात्य स्वरलिपि– पद्धति की विस्तृत जानकारी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र द्वितीय

नोट – इस प्रश्न पत्र में कुल 10 प्रश्न होंगे। विद्यार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुये कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

इकाई –1

1. निम्नलिखित ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों का परिचय एवं योगदान –
    1. भरत – नाट्यषास्त्र
    2. शारंगदेव – संगीत रत्नाकर
    3. मतंग – वृहदेषी
    4. पं. अहोबल – संगीत पारिजात
2. वाद्यों का वर्गीकरण –

तत्, सुषिर, घन, अवनद्ध।

इकाई – 2

1. राग–लक्षण , स्वस्थान– नियम, आविर्भावि–तिरोभाव, अल्पत्व–बहुत्व, रागालाप– रूपकालाप की सामान्य जानकारी।
2. भारतीय ताल – पद्धति का वर्णन (दस प्राणों सहित)

इकाई –3

1. ललित कलाओं में संगीत का स्थान।
2. निम्नलिखित संगीतकारों का जीवन परिचय – लालमणि मिश्र, पं. भातखण्डे, आचार्य बृहस्पति, अली–अकबर, अल्लारखा खां।

इकाई – 4

स्वरलिपि – पद्धति का उद्गम एवं विकास
(भारतीय संगीत के संदर्भ में)

1. भारतीय संगीत में वृन्दगान एवं वाद्यवृन्द का विस्तृत अध्ययन।

इकाई – 5

1. भारतीय संगीत में मंच – प्रदर्षन।
2. शास्त्रीय संगीत पर लोक–संगीत का प्रभाव।
3. धर्म और संगीत।
4. राष्टीय एकता में संगीत की भूमिका।

प्रायोगिक प्रश्न पत्र प्रथम

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन :–
   (1) विहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी
   (6) अहीर भैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस
2. (अ) परीक्षार्थी की इच्छानुसार किसी एक राग में विलम्बित एवं मध्यलय ख्याल/गत को पूर्ण गायकी एवं वादन क्षमता के अनुसार प्रस्तुत करना। 20
   (ब) सभी रागों में लक्षण गीत, सरगम गीत 5
3. निम्नलिखित तालों का अध्ययन
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार 5
4. थाट भैरव, मारवा एवं काफी के स्वरों में 5–5 अलंकार 5
5. श्याम पट्ट पर लिखी हुयी कोई स्वरलिपि गाने अथवा बजाने का अभ्यास 5

प्रायोगिक प्रश्न पत्र द्वितीय

1. निम्नलिखित रागों का अध्ययन –
   (1) बिहाग (2) देस (3) बागेश्वरी (4) रागेश्वरी (5) भीमपलासी
   (6) अहीर भैरव (7) जौनपुरी (8) हमीर (9) केदार (10) मालकौंस
   (अ) उपरोक्त रागों में से तीन विलंबित ख्याल/मसीतखानी गत तान अलाप सहित 30
   (ब) कोई चार रागों में मध्यलय ख्याल/रजाखानीगत तान अलाप सहित (बिन्दु अ के अतिरिक्त) 15
2. एक ध्रुपद अथवा एक धमार दुगुन, तिगुन एवं चौगुन की लयकारी के साथ/तीनताल के अतिरिक्त किन्हीं अन्य तालों में एक मध्य लय गत। (वाद्य संगीत के लिए) 15
3. त्रिवट/तराना/भजन/गजल/लोकगीत/देश भक्ति गीत/कोई एक धुन (वाद्य यंत्र के विद्यार्थियों के लिए) 10
4. पाठ्यक्रम की निम्न तालों का ठेका हाथ पर ताली एवं खाली सहित दुगुन, तिगुन, चौगुन में प्रदर्शित करने का अभ्यास 10
   (1) आड़ा चौताल (2) पंजाबी त्रिताल (3) रूपक (4) झपताल (5) धमार

संदर्भ ग्रन्थ

1 क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 1, 2, 3 और 4 – पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे

2 संगीतांजली भाग 1, 2, 3 4, 5, और 6 – पडित ओमकार नाथ ठाकुर

3 राग विज्ञान भाग 1, 2, 3, 4, 5 और 6 – पंडित वी.एन. पटवर्धन

4 रागबोध भाग 1, 2, और 3 – डा. बी.आर. देवधर

5 तंत्रिनाद भाग 1, 2 और भारतीया संगीत वाद्य – डा. लालमणी मिश्रा

6 सितार मालिका (संगीत कार्यालय हाथरस)

7 सितार वादन – एस.जी. व्यास

8 संगीत विशारद (संगीत कार्यालय हाथरस)

9 सितार मार्ग भाग 1 और 2 – एस.पी. बेनर्जी

10 संगीत बोध – डा. शरत चन्द्र परांजपे

11 ध्वनि और संगीत – प्रो. एल.के. सिंह

12 संगीत दर्शिका भाग 1 और 2 – श्री नानीगोपाल बैनर्जी

13 Hindustan Music- An outline of its physics and aesthetics by G.H. Rande.

14 संगीत शास्त्र भाग 1 और 2 – एम.एन. सक्सैना

15 तान संग्रह भाग 1, 2 और 3 – पंडित एस.एन. रातनजनकर

16 तान मलिका – राजा भैया पूंछवाले

17 हमारे संगीत रत्न – लक्ष्मी नारायण गर्ग

18 विष्णु दिगम्बर पलुस्कर – पडिंत विनय चन्द्र मौद्गल्य

19 विष्णु नारायण भातखण्डे – एस.एन. रातनजनकर

20 वागेयकार ओमकार नाथ ठाकुर – डा. प्रदीप कुमार दिक्षित

21 घराना – वमन राव एच. दशपाण्डे

22 संगीत परिभाषा – पडिंत रातनजनकर

23 रस मंजरी शतक पं. लक्ष्मण भट्ट तैलंग

24 राग और रूप – स्वामी प्रज्ञानन्द

25 संगीत और संस्कृति – स्वामी प्रज्ञानन्द

26 भारतीय संगीत का इतिहास – ठाकुर जयदेव सिंह

27 संगीत चिंतामणी – आचार्य ब्रहस्पति

28 Sitar and its Nibaddha forms by Stefan Slavek

29 ध्रुपद लखेक इन्दुरामा श्रीवास्तव

30 राग परिचय भाग 1, 2, 3 और 4 – हरीश चन्द्र श्रीवास्तव

31 अभिनव संगीताजंली – प्रो. रामाक्षय झा 'रामरंग'

32 स्वर और रागों के विकास में वाद्यों का योगदान – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

33 संगीत मंजुषा – प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती

34 Music- its methods and technique of teaching in Higher Education by Prof Indrani Chakravarti

35 Sitar and its teaching by Prof Debu Chaudhury

36 Senia Gharana and its contribution to Indian Music by Dr. Saroj Ghosh

37 संगीत रत्नाकर भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल, शर्मा और डा. आर.के सिंघी

38 वृहद्देशी भाग 1 और 2 प्रो. पी.एल. शर्मा

39 Musical forms in Sangita Ratnakar by Prof. N. Ramanathan

40 राग दर्शन भाग 1 और 2 – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

41 संगीत सुषमा भाग 1 से 4 पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

42 ख्याल दर्शन – पंडित माणिक बुआ ठाकुर दास

43. संगीत मणि – भाग प्रथम – डॉ. महारानी शर्मा

44. संगीत मणि – भाग द्वितीय – डॉ. महारानी शर्मा

45 All journals / Magazines of Music